(37)

Page No. (45)

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

वृक्षारोपण कार्य योजना प्रमाण पत्र

आज दिनांक 17-5-2013 को ग्राम सभा सारी, विजराकोट की बैठक में सर्व सम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि 2.610 हे० हैक्टेयर वृक्षारोपण सारी, विजराकोट सिविल क्षेत्र में किया जायेगा। प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित।

प्रधान ग्राम पंचायत सारी
ह0
दि0 17-5-2013

प्रधान / सरपंच
ग्राम सभा
....

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

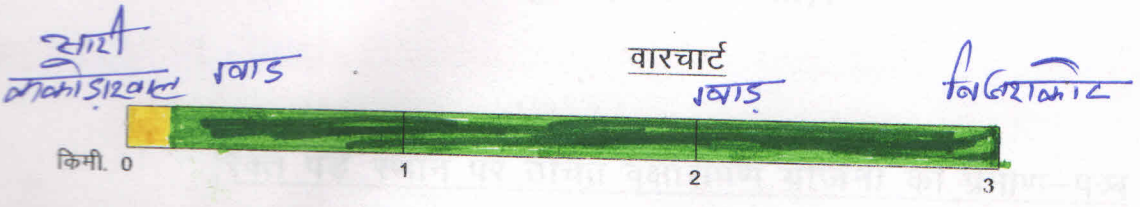

चैनेज	भूमि का प्रकार	लम्बाई
0/0 – 0/4	नाप भूमि	100 मीटर
0/4 – 2/40	आरक्षित भूमि	2900 मीटर

आरक्षित वन भूमि	2.610 है0
सिविल एवं सोयम वन भूमि	0.000 है0
वन पंचायत भूमि0	0.000 है0
नाप भूमि	0.090 है0

प्रतिहस्ताक्षरित
प्रभागीय वनाधिकारी
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
रुद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा०ख० लो०नि०वि०
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

रिक्त पड़े स्थान पर उचित वृक्षारोपण योजना का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित मोटर मार्ग के आस–पास रिक्त पड़े स्थानों पर उचित वृक्षारोपण हेतु वॉछित धनराशि वन विभाग को उपलब्ध करायी जायेगी।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

प्रस्तावित मोटर मार्ग के रिक्त पड़े स्थलो पर वृक्षारोपण का कार्य

परियोजना का नामः– जनपद रूद्रप्रयाग में जिला योजना के अर्न्तगत अगस्तमुनि डोभा– गणेशनगर हल्का वाहन मार्ग के निर्माण हेतु 2.8170 है0 वन भूहम का लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण

वृक्षारोपण स्थल का कुल क्षेत्रफल :–3.00 किमी0

रोपित किये जाने वाले पौधो की संख्या– (100 पौध /प्रति किमी0) 100X 3.00= 300 पौध

रूद्रप्रयाग वन प्रभाग रेंज – अगस्तमुनि रेंज

प्रथम चरण

क्र0सं0	कार्य का नाम	इकाई		इकाई दर (रू0)	योग–
1	सर्वे एवं सीमाकन	2.817	है0	78.000	219.726
2	क्षैत्र की सफाई (झाड़ी कटान आदि)	2.817	है0	2543.000	7163.631
3	ट्री गार्ड करना	300	है0	1350.000	405000.000
4	गडढा खुदान (0.30x0.30x0.45)	300	गढ्ढा	5.420	1626.000
5	पौधों की कीमत प्रथम वर्ष	300	पौध	4.300	1290.000
6	अन्य व्यय जैसे यंत्र, संयन्त्र, औजार तेज कराना,	2.817	है0	624.000	1757.808
	योग – प्रथम चरण				**417057.165**

द्वितीय चरण

1	गडढा भरान कार्य (0.30x0.30x0.45) (प्रति 100)	300	पौध	0.97	2.91
2	पौधों की कीमत (द्वितीय वर्ष)	300	पौध	1.20	360.00
3	ट्री गार्ड ढुलान करना	300	L.S.	55.000	16500.000
4	ट्री गार्ड गाढ़ना एवं फिक्स करना	300	L.S.	50.000	15000.000
5	50 बैग पौध का ढुलान वाहन से 25 कि0मी0	300	पौध	6.00	450.00
6	पौधारोपण व थालाबन्दी	300	पौध	1.89	567.00
7	निराई गुडाई व मल्चिंग (दो बार)	300	पौध	1.11	333.00
8	खाद व दवा पर व्यय	2.817	है0	950.00	2676.15
9	प्रथम वर्ष में देख –रेख व रखरखाव पर व्यय (कम से कम 9 माह)	2.817	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
10	अन्य व्यय साइन बोर्ड, पौध ढुलान हेतु टोकरी, सुतली, गोरी आदि क्रय वृक्षारोपण के समय वर्षा से बचने हेतु पालीथीन सीट क्रय वर्ष में दो तीन बार	2.817	है0	L-S	2500.00
	योग– द्वितीय चरण				**54209.33**
	योग– प्रथम चरण+द्वितीय चरण				**471266.50**

तृतीय चरण

1	रोपण वर्ष के उपरान्त प्रथम वर्ष रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.817	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
3	अन्य कार्य	2.817	है0	310.00	873.27
	योग– तृतीय चरण				**16693.54**

चतुर्थ चरण

1	रोपण वर्ष के उपरान्त द्वितीय वर्ष रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.817	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
2	अन्य कार्य	2.817	है0	310.00	873.27
	योग– चतुर्थ चरण				**16693.54**

	पंचम चरण				
1	रोपण वर्ष के उपरान्त द्वितीय वर्ष रख रखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.817	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
	योग– पंचम चरण				**15820.27**
	छठवां चरण				
1	रोपण वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.8170	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
2	अन्य कार्य (अग्नि संम्बन्धी सुरक्षा कार्य)	2.8170	है0	310.00	873.27
	छठवां चरण का योग :–				**16693.54**
	सातवां चरण				
1	रोपण वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.8170	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
2	अन्य कार्य (अग्नि संम्बन्धी सुरक्षा कार्य)	2.8170	है0	310.00	873.27
	सातवां चरण का योग :–				**16693.54**
	आठवां चरण				
1	रोपन वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.8170	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
2	अन्य कार्य (अग्नि संम्बन्धी सुरक्षा कार्य)	2.8170	है0	310.00	873.27
	आठवां चरण का योग :–				**16693.54**
	नवां चरण				
1	रोपण वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.8170	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
2	अन्य कार्य (अग्नि संम्बन्धी सुरक्षा कार्य)	2.8170	है0	310.00	873.27
	नवें चरण का योग :–				**16693.54**
	दसवां चरण				
1	रोपण वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.8170	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15820.27
2	अन्य कार्य (अग्नि संम्बन्धी सुरक्षा कार्य)	2.8170	है0	310.00	873.27
	दसवें चरण का योग :–				**16693.54**
			प्रथम चरण		417057.17
			द्वितीय चरण		54209.33
			तृतीय चरण		16693.54
			चतुर्थ चरण		16693.54
			पंचम चरण		15820.27
			षष्ठम चरण		16693.54
			सप्तम चरण		16693.54
			अष्टम चरण		16693.54
			नवम चरण		16693.54
			दशम चरण		16693.54
			कुल योग		**603941.56**
	कुल योग––				**603941.56**
	सिलिंग के अनुसार देय दर / 200000.00 रु0/किमी0	**2.8170**	**K.M.**		**563400.00**

प्रतिहस्ताक्षरित

प्रभागीय वनाधिकारी
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

प्रस्तावित परियोजना में वृक्ष प्रभावित न होने की दशा में प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना के निर्माण से वृक्ष प्रभावित हो रहे है।

वन क्षेत्राधिकारी

प्रभागीय वनाधिकारी
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

दस गुनी संख्या में वृक्षारोपण का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त परियोजना से प्रभावित होने वाले वृक्षों की दस गुनी संख्या में वृक्षारोपण करने हेतु आवश्यक धनराशि वन विभाग के पक्ष में जमा कर दी जायेगी।

कनिष्ठ अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग	सहायक अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग	अधिशासी अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

आम सभा का अनापत्ति प्रमाण–पत्र

_____

_____

_____

———— संलग्न है। ————

प्रधान / सरपंच

मोहर

अनापत्ति प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि स्वीकृत सारी विजयकोट मोटर मार्ग [illegible] का निर्माण [illegible] लो० नि० वि० [illegible] द्वारा जो सारी कलोड़ीखाल से विजयकोट [illegible] पर है [illegible] के पेड़ से प्रारम्भ हुआ है, यह स्थान सारी की सरहद में पड़ता है, इस सर्वे पर हम ग्राम पंचायत सारी, विजयकोट कलोड़ीखाल [illegible] सहमत हैं। [illegible] किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

प्रधान ग्राम पंचायत सारी
वि० खंड अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग

Photocopy Attested

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

परियोजना की लम्बाई–चौड़ाई का प्रमाण–पत्र।

प्रस्तावित परियोजना हेतु वन भूमि की लम्बाई 3000 मीटर, चौड़ाई 9 मीटर, 27000 वर्ग मीटर अर्थात 2.700 हे0 है।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

वैकल्पिक समरेखणों को निरस्त किये जाने का प्रमाण–पत्र।

यह मोटर मार्ग के नव निर्माण का कार्य। है।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

कार्य प्रारम्भ न होने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा आवेदित भूमि पर अभी तक कोई निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। भारत सरकार से वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अर्न्तगत स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा ।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

वन क्षेत्राधिकारी
अगस्त्यमुनि रेंज
रूद्रप्रयाग वन प्रभाग

प्रभागीय वनाधिकारी
रूद्रप्रयाग वन प्रभाग
रूद्रप्रयाग

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

भूवैज्ञानिक निरीक्षण आख्या एस0जी0 –289 / सडक / पुल समरेखण / गढ़वाल / 2012

Geological Assessment of the Alignment proposed for Sari- Bijrakot motor road, District- Rudraprayag, Uttarakhand.

01–मार्च–2012

Geological Assessment of the Alignment proposed for Sari-Bijrakot motor road, District- Rudraprayag, Uttarakhand.

Vijay Dangwal
01.03.2012

1. **Introduction:-** The Provincial Division, Public Works Department Rudraprayag has proposed the construction of 3.0 km long Sari- Bijrakot motor road in District- Rudraprayag. On the request of the Executive Engineer, I carried out the geological assessment of the alignment on 03-09-2011 in presence of Er. Shiv Charan Singh saha, Astt. Engineer, Om Prakash Chandra the additional Astt. Engineer and Shri Arvind Nautiyal, work Agent , PWD Rudraprayag.

2. **Location:-** The alignment of the proposed road originates from km 25 of Salgu- Sari motor road district- Rudraprayag.

3. **Geological Assessment:-** Geologically the proposed alignment falls in Lesser Himalaya of Main Himalaya Belt (MHB). The quartzites, phyllites and dolomites with basic intrusions form the bulk of lithological units. These rocks have been subjected to five phases of deformation hence, they are jointed, sheared and shattered in nature. Five prominent joint sets have been recorded at the site and none of them is oriented adverse threatening the stability of the slope. Mostly the slopes of the alignment are covered with the thick overburden / slope wash material, comprised of boulders, pebbles and cobbles embedded in clay silt matrix.

The overburden/ slope wash material is very dense and naturally well compacted. Its "consistency" has been rated very stiff.

The slope forming overburden material do not contain soft soils and it is free from any active landslides/ ground subsidence.

On the basis of the visual inspection, the studies carried out at the site and the facts given above, the following remedial measures are being suggested for the safe and stable construction.

4. **Recommedation:-**

(i) Do not dispose the cut/ excavated material into valley side otherwise dispose the waste on topographically suitable dump yards.

(ii) The complete road must have suitably designed retaining and brest wall.

(iii) Excavate the hill side slope from top to bottom in order to maintain overall stability of the slope. Cut slope should be rendered stable throughout the designed life of the road.

(iv) Way out for cut and fill wherever it is possible this is so as to decrease the damages and disturbances.

(v) The road must have adequate road side/ cross drainage pattern and the cross section of the hill side drain should be 2 times enlarged so as to accumulate the run- off from the up slope and the road itself.

(vi) Design standers and specification laid down by IRC for similar category roads should be strictly followed.

5. **Conclusion:-**On the basis of the geological studies carried at the site and with the above recommendations, the proposed alignment was found geologically suitable for the construction of Sari- Bijrakot motor road.

1/3/12

(Vijay Dangwal)
Sr. Geologist
Office of the Engineer in Chief,
PWD Dehradun

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

भू–वैज्ञानिक/ जिला टॉस्क फोर्स की संस्तुतियों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण–पत्र।

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना हेतु भू–वैज्ञानिक/जिला टॉस्क फोर्स द्वारा दिये गये सुझावों/शर्तो का निर्माण कार्य के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा पूरी तरह अनुपालन किया जायेगा।

कनिष्ठ अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग	सहायक अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग	अधिशासी अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग

Task Force Certificate

(i) Lay out of the Land-be followed as far as possible.

(ii) Heavy cutting/filling be avoided-as far as possible. The technology of cut and fill method is to be adopted. Steep hill slopes also to be avoided.

(iii) Unstable/slide-prone areas to be avoided. For identifying such areas the advice of Geotechnical engineers and geologists to be taken during the survey for alignment.

(iv) Comparison of various possible alignments with reference to erosion potential be made and the alignment involving minimum erosion risks be preferred.

A part from the stage of planning the road alignment, effective steps are also required to be taken by ground engineer during the process of road construction for minimized ecological disturbance to the hill roads Broadly the measures to be taken have been identified as :-

(i) Cut and fill method to be adopted while excavating for road formation and heavy earth cutting is to be avoided Box cutting is to be avoided to the extent possible.

(ii) (ii) Blasting by explosives is to be restricted to the minimum. Lay out of holes to be drilled for blasting is to be planned keeping is view the line of least resistance and the existence of joints Controlled blasting should be repeated using low charge and care be taken to avoid activating slide zones or widening fissures and cracks in roak. Use of delay detonators in large scale basting work is to be made for anaoline dispersion of chock waves, so that minimum disturbance is caused to the rock stratum as a result of the blasting process.

(iii) (iii) All cut slopes, unusable hill side and slide prone erosion prone areas are to be provided with suitable correction measures by using one or the other of the techniques developed by CRRI. Several techniques have been sponsored by CRRI. like simple vegetative turning, bitumen much treatment and slide treatment by jute netting coir netting of these simple vegetative turning seems to be the most appropriate preventive measure in many situations. This should be established in the denuded slopes immediately after the excavation is made

(v) Adequate drainage measures and protective structures like intercepting catch water drains, longitudinal drains/culvers, breast walls, retaining and the walls are provided for purposes of establishing the slips Growth vegetative cover is stimulated in the disturbed hill slops above the road level by planting suitable fast growing shrubs and plants. In certain selected unstable areas terraced afforestation has also been plasticized as a stabilizing measure with go d results.

(vi) Over the past few years the roads wing of the Ministry of Shipping and transport has issued instruction laying down broad guidelines and check list of the preparation of road construction projects which provide an inbuilt mechanism of tacking land slides/erosion control for the guidance and follow up action by engineers of state 'PWD' Border Roads Organization and other engaged in construction of hill roads these should be observed.

प्रमाणित किया जाता है कि योजना आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स की उपरोक्त संस्तुतियाँ याचक विभाग को मान्य हैं।

कनिष्ठ अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग	सहायक अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग	अधिशासी अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

वन्य जीव/वनस्पतियों को क्षति न पहुँचायें जाने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना के निर्माण कार्य/रख–रखाव के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा वन्य जीव/स्थानीय वनस्पतियों को कोई नुकसान नही पहुँचाया जायेगा।

कनिष्ठ अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग	सहायक अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग	अधिशासी अभियन्ता प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0 रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

अन्य कोई वैकल्पिक भूमि उपलब्ध न होने व वन भूमि की मांग न्यूनतम होने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त प्रयोजन हेतु आवेदित वन भूमि के अतिरिक्त अन्य कोई वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है तथा याचित 2.610 हे0 वन भूमि की मांग न्यूनतम है इससे कम वन भूमि पर परियोजना का निर्माण कार्य कराया जाना सम्भव नही है।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

वन क्षेत्राधिकारी
अगस्तयमुनि रेंज
रूदप्रयाग वन प्रभाग

प्रतिहस्ताक्षरित
प्रभागीय वनाधिकारी
रूद्रप्रयाग

राजस्व उपनिरीक्षक
क्षेत्र.....
तहसील.....
जिला रूद्रप्रयाग

तहसीलदार
तहसील सदर
जनपद रूद्रप्रयाग

उप जिलाधिकरी
रूद्रप्रयाग

जिलाधिकारी
रूद्रप्रयाग

प्रति हस्ताक्षरित

जिला अधिकारी
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

धार्मिक / पौराणिक / ऐतिहासिक महत्व के स्थल न होने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदित वन भूमि में किसी प्रकार का ऐतिहासिक स्थल, धार्मिक स्थल, स्मारक, मन्दिर, मस्जिद, शमशान घाट, कब्रिस्तान आदि स्थित नहीं है तथा उक्त वन भूमि सार्वजनिक उपयोग की नही है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त वन भूमि अन्य प्रयोजन हेतु किसी को आवंटित नही की गई है।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

वन क्षेत्राधिकारी
अगस्तयमुनि रेंज
रूद्रप्रयाग वन प्रभाग

प्रतिहस्ताक्षरित
प्रभागीय वनाधिकारी
रूद्रप्रयाग वन प्रभाग
रूद्रप्रयाग

प्रभागीय वनाधिकारी
रूद्रप्रयाग वन प्रभाग
रूद्रप्रयाग

राजस्व उपनिरीक्षक
राजस्व उप निरीक्षक
क्षेत्र सारी
तहसील ऊखीमठ
जिला रूद्रप्रयाग

तहसीलदार
तहसीलदार ऊखीमठ
जनपद रूद्रप्रयाग

उप जिलाधिकारी
रूद्रप्रयाग

जिलाधिकारी
रूद्रप्रयाग

प्रति हस्ताक्षरित
जिला अधिकारी
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

लाभान्वित होने वाले ग्रामों/परिवारों/जनसंख्या के सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना के निर्माण से निम्न प्रकार स्थानीय ग्रामों/परिवारों/जनसंख्या को लाभ प्राप्त होगा।

ग्राम	कोड	जनसंख्या
ककोडाखाल		
ग्वाड		
सारी		
विजराकोट	00259800	577
	00259300	574
	कुल –	1151

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

दुगने अवनत वन भूमि पर क्षतिपूरक वृक्षारोपण की धनराशि जमा कराये जाने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त प्रयोजन हेतु 2.610 हे0 वन भूमि के प्रत्यावर्तन के एवज्न में दुगने अवनत वन क्षेत्र अर्थात 5.220 हे0 में देय क्षतिपूरक वृक्षारोपण की धनराशि वन विभाग को उन्नकी मांग के अनुसार ग्राम्य विकास विभाग रूद्रप्रयाग द्वारा उपलब्ध करा दी जायेगी।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यदि प्रश्नगत परियोजना के निर्माण हेतु भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से पर्यावरणीय स्वीकृति की आवश्यकता हुई तो प्रयोक्ता एजेन्सी पर्यावरणीय स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त कर प्रस्तुत की जायेगी।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

वन भूमि के मूल्य का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत प्रयोजन हेतु 2.610 हे0 वन भूमि का वर्तमान बाजार दर से मूल्य रूपये 8.50 लाख प्रति हे0 है तथा वन भूमि का कुल मूल्य रू0 22.00 लाख होता है तथा वार्षिक लीज रेन्ट — प्रतिशत की दर से — रू0 होता है।

प्रति हस्ताक्षरित

राजस्व उपनिरीक्षक
क्षेत्र.....
तहसील.....
जिला.....

तहसीलदार
रूद्रप्रयाग

उपजिलाधिकारी
रूद्रप्रयाग

जिलाधिकारी
रूद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

एन0पी0वी0 जमा कराये जाने का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त प्रकरण में एन0पी0वी0 की देय धनराशि लोक निर्माण विभाग द्वारा वन विभाग के पक्ष में जमा करायी जायेगी। इसके अतिरिक्त यदि मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा एन0पी0वी0 की धनराशि में कोई बढोतरी की जाती है तो एन0पी0वी0 की अतिरिक्त धनराशि भी ग्राम्य विकास विभाग रूद्रप्रयाग द्वारा जमा करा दी जायेगी।

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग

एन0पी0वी0 की धनराशि जमा करने समबन्धी प्रमाण पत्र

(माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 28.03.2008 व 09.05.2008 के अनुसार)

परियोजना का नाम : जनपद रूद्रप्रयाग के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत सारी–विजराकोट मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.000 किमी0)।

प्रमाणित किया जाता है कि सम्बन्धित वन क्षेत्र (सिविल/आरक्षित) माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 28.03.2008 के अनुसार निर्धारित इको क्लास V के अन्तर्गत आता है।

उपरोक्तानुसार उक्त वन क्षेत्र **Open Forest/Dense Forest/ Semi Dense Forest** की श्रेणी में आता है। जिस हेतु एन0पी0वी0 की धनराशि की प्रति है0 दर रूपये 845000=00 (आठ लाख पैंतालीस हजार मात्र) है। उक्त दर के अनुसार एन0पी0वी0 की धनराशि का आगणन रू0 22,05,450=0 (बाईस लाख पाँच हजार चार सौ पचास) मात्र किया गया है, जिसका भुगतान प्रस्तावक विभाग द्वारा किया जायेगा।

प्रतिहस्ताक्षरित
प्रभागीय वनाधिकारी
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
रुद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0ख0 लो0नि0वि0
रुद्रप्रयाग